भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: जयशंकर बोले - अधिकांश मुद्दे सुलझे, अब आखिरी पड़ाव



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

14 नवंबर 2026: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एचटी लीडरशिप समिट में कहा कि प्रस्तावित **भारत-अमेरिका व्यापार समझौते** के अधिकांश मुद्दे - टैरिफ-लाइन समेत - सुलझ चुके हैं और "आखिरी पड़ाव" की चर्चाएँ चल रही हैं; समझौता "जल्द" हो सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच **16-17 नवंबर को मनीला में आसियान/पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन** के मौके पर मुलाकात की उम्मीद है।

जयशंकर ने क्या कहा

'फिनिशिंग लाइन' के करीब: "यह हमारी आशा और कई मायनों में अपेक्षा है कि हम अंतिम पड़ाव पर हैं... अब हम लगभग फिनिशिंग लाइन पर पहुँच गए हैं।" बाकी मुद्दे "इतने हमारी ओर से नहीं" - अमेरिकी पक्ष में ज्यादा बदलाव हुए हैं।

भारत की शर्तें: समझौता 'लाभकारी और संतुलित' हो और तुलनीय अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले **तुलनात्मक लाभ (comparative advantage)** दे; अमेरिका भारत का सबसे बड़ा बाजार है, इसलिए समझौते से लाभ स्पष्ट है।

विलंब की व्याख्या: "ये गंभीर मुद्दे हैं; लोगों की नौकरियाँ और जीवन दाँव पर हैं। अगर आप गंभीर हैं तो टैरिफ-लाइन बाय टैरिफ-लाइन चलते हैं - इसमें समय लगता है।"

मिडटर्म चुनावों पर: अमेरिका में भारत के साथ रक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सम्बन्धों पर **द्विदलीय सहमति (bipartisan consensus)** है; हालाँकि चुनावी नतीजे "कई चीजें बदलेंगे"।

चीन सीमा पर: सीमा "अधिक सक्रिय (more alive)" हो गई है, जिससे सैन्य-तैनाती की सतत आवश्यकता बढ़ी है; सीमावर्ती बुनियादी ढाँचा - सुरंगें, पुल, हवाईपट्टियाँ - पिछले दशक में तेजी से बना है, जबकि एक दशक पहले तक इसकी 'उपेक्षा' हुई थी।

वैश्विक पृष्ठभूमि

शिखर-सप्ताह: मोदी-ट्रंप की संभावित मुलाकात मनीला में (16-17 नवंबर); इसके बाद शेनझेन में APEC शिखर सम्मेलन, जहाँ ट्रंप की शी जिनपिंग और पुतिन से भी मुलाकात तय है; मोदी दिसंबर में G20 शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका जाएँगे (14-15 दिसंबर)।

परस्पर-विजेता ढाँचा: ट्रंप द्विदलीय समझौतों से अमेरिकी बाजार सुधारना चाहते हैं; भारत तुलनात्मक लाभ और टैरिफ-राहत चाहता है - "चुनौती लैंडिंग-पॉइंट खोजने की है"।

विश्लेषण: समझौते के पहलू

टैरिफ-सुलह का महत्व: 2025 में लगे उच्च शुल्कों के बाद दोनों पक्ष 'टैरिफ-लाइन बाय लाइन' पद्धति से आगे बढ़े; कृषि, ऊर्जा-आयात और बाजार-पहुँच संवेदनशील कड़ियाँ रही हैं।

रणनीतिक परत: व्यापार-समझौता केवल आर्थिक नहीं - रक्षा-प्रौद्योगिकी साझेदारी और इंडो-पैसिफिक में भारत की स्थिति से जुड़ा; द्विदलीय सहमति इसे चुनाव-चक्र से थोड़ा अलग रखती है।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रश्न समझौते की स्थिति ('लास्ट स्ट्रेच'), आसियान/पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (मनीला, 16-17 नवंबर), APEC (शेनझेन), G20 (दिसंबर, अमेरिका) और भारत-अमेरिका व्यापार-सम्बन्धों के आंकड़ों पर बन सकते हैं।

> **संबंधित लेख:** व्यापार-वार्ता की पूर्व स्थिति पढ़ें: **भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता: जून 2026 का राउंड**

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जयशंकर के बयान (नवंबर 2026) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. टैरिफ-लाइनों समेत अधिकांश मुद्दे सुलझ चुके हैं

2. उन्होंने अमेरिका को भारत का सबसे बड़ा बाजार बताया

3. उन्होंने अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में भारत-अमेरिका रक्षा-सम्बन्धों पर द्विदलीय सहमति का उल्लेख किया

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई नहीं

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (c)**
>
> तीनों कथन सही हैं - एचटी लीडरशिप समिट में जयशंकर ने ये तीनों बातें कहीं।

प्रश्न 2. नवंबर 2026 में आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन कहाँ आयोजित हो रहे हैं?

(a) जकार्ता

(b) बैंकॉक

(c) मनीला

(d) हनोई

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (c)**
>
> 16-17 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला में; मोदी-ट्रंप की संभावित मुलाकात इसी के मौके पर अपेक्षित है।

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "भारत-अमेरिका व्यापार समझौता केवल टैरिफ का नहीं, रणनीतिक संरेखण का मसला है।" जयशंकर के नवीनतम बयान के आलोक में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: 'लास्ट स्ट्रेच' वाला बयान - संदर्भ।

मुख्य भाग में: आर्थिक पहलू – सबसे बड़ा बाजार, तुलनात्मक लाभ, टैरिफ-लाइन पद्धति; रणनीतिक पहलू – द्विदलीय सहमति, रक्षा-प्रौद्योगिकी सम्बन्ध, इंडो-पैसिफिक और चीन-कारक; जोखिम – अमेरिकी घरेलू राजनीति, कृषि-संवेदनशीलता, मानक-सम्बन्धी शर्तें; भारत की वार्ता-स्थिति – 'लाभकारी और संतुलित' समझौते की शर्त।

निष्कर्ष में: समझौता द्विपक्षीय सम्बन्धों को 'लेन-देन' से 'संरचनात्मक भागीदारी' में बदल सकता है - यदि शर्तें संतुलित रहें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: जयशंकर के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के अधिकांश मुद्दे सुलझ चुके हैं और वार्ता 'फिनिशिंग लाइन' के पास है; समझौता जल्द अंतिम रूप ले सकता है।

प्रश्न: 'टैरिफ-लाइन बाय लाइन' वार्ता का क्या अर्थ है?

हर उत्पाद-श्रेणी (टैरिफ-लाइन) पर अलग-अलग शुल्क-सहमति बनाना - यह सटीक पर धीमी प्रक्रिया है, क्योंकि नौकरियों और आजीविका से जुड़े फैसले होते हैं।

प्रश्न: मोदी-ट्रंप की अगली मुलाकात कब अपेक्षित है?

16-17 नवंबर 2026 को मनीला में आसियान/पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के मौके पर; मोदी 14-15 दिसंबर को G20 के लिए अमेरिका भी जाएँगे।

प्रश्न: चीन सीमा पर जयशंकर ने क्या कहा?

सीमा 'अधिक सक्रिय' हो गई है, सैन्य-तैनाती की सतत जरूरत बढ़ी है और पिछले दशक में सीमावर्ती बुनियादी ढाँचे (सुरंग, पुल, हवाईपट्टी) में उल्लेखनीय तेजी आई है।

स्रोत

- Indian Express: Most of India-US trade deal issues sorted - Jaishankar, 14 नवंबर 2026
- Hindustan Times: Trade deal talks almost at finishing line - Jaishankar at HTLS
- LiveMint: India-US trade talks in final stretch - Jaishankar

PCSMANTRA.COM